पाठाधारित मुहावरे

दीवार खड़ी करना– बाधा उत्पन्न करना, **डेरा डालना**– स्थायी रूप से रहना

अभ्यास प्रश्नोत्तर

I. पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

दिए गए गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनकर लिखिए। [1×5=5]

1. बाइबिल के सोलोमेन जिन्हें कुरआन में सुलेमान कहा गया है, ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बादशाह थे। कहा गया है, वह केवल मानव जाति के ही राजा नहीं थे, सारे छोटे-बड़े पशु-पक्षी के भी हाकिम थे। वह इन सबकी भाषा भी जानते थे। एक दफा सुलेमान अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुज़र रहे थे। रास्ते में कुछ चींटियों ने घोड़ों की टापों की आवाज़ सुनी तो डर कर एक-दूसरे से कहा, 'आप जल्दी से अपने-अपने बिलों में चलो, फ़ौज आ रही है।' सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए और चींटियों से बोले, 'घबराओ नहीं, सुलेमान को खुदा ने सबका रखवाला बनाया है। मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ, सबके लिए मुहब्बत हूँ।' चींटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की और सुलेमान अपनी मंज़िल की ओर बढ़ गए।

(क) बाइबिल के सोलोमेन को कुरआन में किस नाम से जाना जाता है?

(i) सोलीमीन (ii) सुलेमीन

(iii) सुलेमान (iv) सोलोमन

(ख) कुरआन में वर्णित वे पुरुष कौन थे जो न केवल मानव जाति के राजा थे, बल्कि छोटे-बड़े सभी पशु-पक्षियों के भी हाकिम थे?

(i) सुलेमान (ii) सुलमान

(iii) सुलमन (iv) सलेमान

(ग) सुलेमान किनकी भाषा जानते थे?

(i) पशु-पक्षियों की (ii) सभी मनुष्यों की

(iii) पेड़-पौधों की (iv) पर्वत-घाटियों की

(घ) सुलेमान के लश्कर के घोड़ों के टापों की आवाज़ सुनकर डर गई?

(i) मधुमक्खियाँ (ii) चींटियाँ

(iii) बकरियाँ (iv) तितलियाँ

(ङ) सुलेमान के लिए किसने ईश्वर से दुआ की?

(i) प्रजा ने (ii) घोड़ों ने

(iii) चींटियों ने (iv) इनमें से कोई नहीं

2. **ऐसी एक घटना का ज़िक्र सिंधी भाषा के महाकवि शेख अयाज़ ने अपनी आत्मकथा में किया है। उन्होंने लिखा है–'एक दिन उनके पिता कुएँ से नहाकर लौटे। माँ ने भोजन परोसा। उन्होंने जैसे ही रोटी का कौर तोड़ा। उनकी नज़र अपनी बाजू पर पड़ी। वहाँ एक काला च्योंटा रेंग रहा था। वह भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए।' माँ ने पूछा, 'क्या बात है? भोजन अच्छा नहीं लगा?' शेख अयाज़ के पिता बोले, 'नहीं, यह बात नहीं है। मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ।'**

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का ज़िक्र मिलता है। उनका असली नाम लशकर था।

(क) शेख अयाज़ किस भाषा के कवि थे?

(i) हिंदी (ii) सिंधी

(iii) गुजराती (iv) मराठी

(ख) भोजन करते समय महाकवि अयाज़ के पिता ने अपनी बाजू पर क्या देखा?

(i) पसीना (ii) पानी

(iii) मक्खी (iv) च्योंटा

(ग) अयाज़ के पिता जी भोजन छोड़कर क्यों उठ खड़े हुए?

(i) भोजन अच्छा नहीं होने के कारण

(ii) कुछ अति आवश्यक काम याद आ जाने के कारण

(iii) बेघर हुए चूंटे को उसके घर पर छोड़ने जाने के लिए

(iv) इनमें से कोई नहीं

(घ) अयाज़ के पिता के कारण कौन बेघर हो गया था?

(i) उनका पड़ोसी (ii) एक गरीब किसान

(iii) एक चूंटा (iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) पैगंबर नूह का असली नाम क्या था?

(i) लशकर (ii) लकशर

(iii) लरशक (iv) लरकश

3. लेकिन अरब ने उनको नूह के लकब से याद किया है। वह इसलिए कि आप सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक ज़ख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुज़रा। नूह ने उसे दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते!' इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया...'न मैं अपनी मर्जी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इनसान हो। बनाने वाला सबका तो वही एक है।'

मट्टी से मट्टी मिले, खो के सभी निशान।
किसमें कितना कौन है, कैसे हो पहचान॥

नूह ने जब उसकी बात सुनी और दुखी हो मुद्दत तक रोते रहे। 'महाभारत' में युधिष्ठिर का जो अंत तक साथ निभाता नज़र आता है, वह भी प्रतीकात्मक रूप में एक कुत्ता ही था। सब साथ छोड़ते गए तो केवल वही उनके एकांत को शांत कर रहा था।

(क) पैगंबर लशकर को अरब ने किस नाम से याद किया है?

(i) नूह के लकब (ii) नूह और लकब

(iii) नूहेलकब (iv) इनमें से कोई नहीं

(ख) पैगंबर नूह किस कारण सारी उम्र रोते रहे?

(i) अत्यधिक दुख के कारण (ii) ईश्वर से साक्षात्कार के लिए

(iii) कुत्ते से मिले तत्व-ज्ञान के कारण (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) नूह ने किसे दुत्कारा था?

(i) गरीब आदमी को (ii) घायल कुत्ते को

(iii) अपने शार्गिद को (iv) इनमे से कोई नहीं

(घ) 'महाभारत' में युधिष्ठिर का अंत तक किसने साथ निभाया?

(i) भीम (ii) एक पक्ष

(iii) एक कुत्ता (iv) द्रौपदी

(ङ) "न मैं अपनी मर्जी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इनसान हो। बनाने वाला सबका तो वही एक है।" यह कथन किसका है?

(i) पैगंबर नूह का (ii) युधिष्ठिर का (iii) घायल कुत्ते का (iv) पैगंबर नूह के शिष्य का

4. दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है।

(क) दुनिया के वजूद में आने के प्रश्न पर विज्ञान तथा धार्मिक ग्रंथों के उत्तर क्या हैं?

(*i*) सबके उत्तर एक जैसे हैं

(*ii*) सबके उत्तर अलग-अलग हैं

(*iii*) सभी धार्मिक ग्रंथों के उत्तर एक जैसे हैं

(*iv*) इनमें से कोई नहीं

(ख) धरती किसकी है?

(*i*) मानवों की

(*ii*) पशु-पक्षियों की

(*iii*) नदी, समंदर, पर्वत आदि प्राकृतिक रूपों की

(*iv*) मानव, पशु, पक्षी, नदी, समंदर, पर्वत आदि सबकी

(ग) धरती की हिस्सेदारी में मानव ने अपनी बुद्धि की बदौलत क्या खड़ी कर दी हैं?

(*i*) बड़ी-बड़ी इमारतें

(*ii*) बड़ी-बड़ी दीवारें

(*iii*) बड़ी-बड़ी मशीनें

(*iv*) इनमें से कोई नहीं

(घ) बढ़ती हुई आबादी का दुष्प्रभाव निम्नलिखित में से कौन-सा नहीं है?

(*i*) समंदर का पीछे सरकाया जाना

(*ii*) पेड़ों को रास्ते से हटाया जाना

(*iii*) पंछियों को बस्तियों से भगाया जाना

(*iv*) इनमें से कोई नहीं

(ङ) धरती के बारे में हमारे मन में कौन से प्रश्न नहीं उठते हैं?

(*i*) यह अस्तित्व में कैसे आई?

(*ii*) इसके बनने के पहले क्या चीज़ थी?

(*iii*) इसकी यात्रा किस बिंदु से शुरू हुई?

(*iv*) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– 1. (क) (*iii*) (ख) (*i*) (ग) (*i*) (घ) (*ii*) (ङ) (*iii*)
2. (क) (*ii*) (ख) (*iv*) (ग) (*iii*) (घ) (*iii*) (ङ) (*i*)
3. (क) (*i*) (ख) (*iii*) (ग) (*ii*) (घ) (*iii*) (ङ) (*iii*)
4. (क) (*ii*) (ख) (*iv*) (ग) (*ii*) (घ) (*iv*) (ङ) (*iv*)

अभ्यास प्रश्न पत्र

नाम– ..... रोल नं. .....

समय– 10 मिनट कुल अंक– 5

1. दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए। [1×5=5]

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं।

(क) लेखक ग्वालियर से कहाँ गए थे?
(*i*) जयपुर (*ii*) बंबई
(*iii*) पूना (*iv*) अहमदाबाद

(ख) बंबई के वर्सोवा में जहाँ आज लेखक का घर है, वहाँ पहले क्या था?
(*i*) समुद्र (*ii*) जंगल
(*iii*) पहाड़ी (*iv*) झील

(ग) जंगल की जगह बस्ती बनने से वहाँ के वासिंदों पर क्या प्रभाव पड़ा?
(*i*) अनेक परिंदों-चरिंदों के घर छिन गए (*ii*) कुछ शहर छोड़कर चले गए
(*iii*) जो शहर छोड़कर न जा सके उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा बना लिया
(*iv*) उपर्युक्त सभी

(घ) वर्सोवा के घर में कबूतरों ने कहाँ घोंसला बनाया था?
(*i*) मचान पर (*ii*) रोशनदान में
(*iii*) छज्जे पर (*iv*) इनमें से कोई नहीं

(ङ) कबूतर के छोटे बच्चों को खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी किनकी थी?
(*i*) उनके माता-पिता की (*ii*) सभी बड़े कबूतरों की
(*iii*) उड़ना सीख रहे नए कबूतरों की (*iv*) इनमें से कोई नहीं

❑❑❑

2 बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का ज़िक्र मिलता है। उनका असली नाम लशकर था, लेकिन अरब ने उनको नूह के लकब से याद किया है। वह इसलिए कि आप सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक ज़ख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुज़रा। नूह ने उसे दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते!' इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया... 'न मैं अपनी मर्ज़ी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इनसान हो। बनाने वाला सबका तो वही एक है।'

मट्टी से मट्टी मिले,
खो के सभी निशान।
किसमें कितना कौन है,
कैसे हो पहचान।।

नूह ने जब उसकी बात सुनी और दुखी होकर मुद्दत तक रोते रहे। 'महाभारत' में युधिष्ठिर का जो अंत तक साथ निभाता नज़र आता है, वह भी प्रतीकात्मक रूप में एक कुत्ता ही था। सब साथ छोड़ते गए तो केवल वही उनके एकांत को शांत कर रहा था।

(क) बाइबिल में किसका जिक्र मिलता है?

(i) नूह (ii) पैगंबर
(iii) सुलेमान (iv) इनमें से कोई नहीं

(ख) नूह का असली नाम क्या था?

(i) लश्कर (ii) लशकर
(iii) सोलोमन (iv) सुलेमान

(ग) नूह से क्या लगती हुई थी?

(i) उन्होंने कुत्ते को गंदा समझा था
(ii) वे सारी उम्र रोते रहे
(iii) उन्होंने कुत्ते को दुत्कार दिया था
(iv) उपर्युक्त सभी

(घ) कुत्ते ने नूह को क्या जवाब दिया?

(i) न मैं अपनी मर्ज़ी से कुत्ता हूँ
(ii) न तू अपनी मर्ज़ी से इनसान है
(iii) बनाने वाला तो सबका वही एक है
(iv) उपर्युक्त सभी

(ङ) युधिष्ठिर का अंत तक साथ कौन निभाता है?

(i) सभी भाई (ii) घोड़ा
(iii) कुत्ते (iv) द्रोपदी

उत्तर : (क) (i), (ख) (ii), (ग) (iv), (घ) (iv), (ङ) (i)।

3 दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्ते से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज़्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, ज़लज़ले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।

(क) धरती के बारे में क्या-क्या प्रश्न उठते रहे हैं?

(i) धरती किसी एक की नहीं है।
(ii) इसपर सबका समान अधिकार है।
(iii) मानव, पशु-पक्षी, नदी, पर्वत सबका समान अधिकार है।
(iv) उपर्युक्त सभी

(ख) धरती संबंधी प्रश्नों के उत्तर कौन देता है?

(i) विज्ञान (ii) धार्मिक पुस्तकें
(iii) दोनों (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) समुद्र को कौन पीछे ढकेल रहा है?

(i) नदियाँ (ii) पर्वत
(iii) बढ़ी हुई आबादियाँ (iv) इनमें से कोई नहीं

(घ) वातावरण को किसने सताना शुरू कर दिया है?

(i) बारूदों की विनाश लीलाओं ने
(ii) बिल्डरों ने
(iii) पक्षियों ने
(iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) बढ़ती आबादी ने क्या बुरा काम किया?

(i) पेड़ों को रास्ते से हटाना शुरू कर दिया।

(ii) समुद्र को पीछे धकेलना शुरू कर दिया।

(iii) फैलते हुए प्रदूषण व पंछियों को बस्तियों से निकालना शुरू कर दिया।

(iv) उपर्युक्त तीनों

उत्तर : (क) (iv), (ख) (iii), (ग) (iii), (घ) (??), (ङ) (iv)।

4 कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेलकर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे। बेचारा समंदर लगातार सिमटता जा रहा था। पहले उसने अपनी फैली हुई टाँगें समेटीं, थोड़ा सिमटकर बैठ गया। फिर जगह कम पड़ी तो उकड़ूँ बैठ गया। फिर खड़ा हो गया... जब खड़े रहने की जगह कम पड़ी तो उसे गुस्सा आ गया। जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है। परंतु आता है तो रोकना मुश्किल हो जाता है, और यही हुआ. उसने एक रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाज़ों को उठाकर बच्चों की गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक वर्ली के समंदर के किनारे पर आकर गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने औंधे मुँह और तीसरा गेट-वे-ऑफ़ इंडिया पर टूट-फूटकर सैलानियों का नज़ारा बना बावजूद कोशिश, वे फिर से चलने-फिरने के क़ाबिल नहीं हो सके।

(क) बिल्डर क्या कर रहे थे?

(i) नई-नई बिल्डिंग बना रहे थे

(ii) समुद्र को धकेलकर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे

(iii) कई सारे प्रोजेक्ट लाने वाले थे

(iv) अपने बनाए हुए घरों को बेच रहे थे

(ख) समुद्र को गुस्सा क्यों आया?

(i) जब उसका आकार सिमटने लगा

(ii) क्योंकि लोग उसके पानी का दुरुपयोग करने लगे

(iii) जब लोगों ने उसकी कोई परवाह नहीं की

(iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) समुद्र को पीछे धकेलने में बिल्डरों का क्या उद्देश्य था?

(i) समुद्र का आकार छोटा करना

(ii) ज़मीन हथियाना

(iii) लोगों की भलाई करना

(iv) इनमें से कोई नहीं

(घ) बिल्डरों की गतिविधियों से जन्मी समुद्र की क्या-क्या प्रतिक्रियाएँ हुईं?

(i) पहले उसने अपनी टाँगें समेटीं और फिर थोड़ा सिमटकर बैठ गया

(ii) जगह कम पड़ने पर उकड़ूँ बैठ गया

(iii) फिर से बिल्डर नहीं माने तो उसे गुस्सा आ गया

(iv) उपर्युक्त सभी

(ङ) समुद्र ने अपना क्रोध किस रूप में व्यक्त किया?

(i) अपनी लहरों पर दौड़ती चार जहाजों को उठाकर चार दिशाओं में फेंक दिया

(ii) अपनी लहरों पर दौड़ती तीन जहाज़ों को उठाकर तीन दिशाओं में फेंक दिया।

(iii) अपनी लहरों पर दौड़ती दो जहाज़ों को दो दिशाओं में गेंद की तरह फेंक दिया।

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (क) (ii), (ख) (i), (ग) (ii), (घ) (iv), (ङ) (ii)।

स्वमूल्यांकन हेतु प्रश्न

1 मेरी माँ कहती थी, सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, पेड़ रोएँगे। दीया-बत्ती के वक्त फूलों को मत तोड़ो, फूल बद्दुआ देते हैं।... दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो, वह खुश होता है। कबूतरों को मत सताया करो, वे हज़रत मुहम्मद के अज़ीज हैं। उन्होंने उन्हें अपनी मज़ार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इज़ाज़त दे रखी है। मुर्गे को परेशान नहीं किया करो, वह मुल्ला जी से पहले मोहल्ले में अज़ान देकर सबको सवेरे जगाता है।

(क) कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले

(क) लेखक की माँ लेखक को क्या उपदेश देती थी?

(i) सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, दीया-बत्ती के वक्त फूलों को मत तोड़ो।

(ii) दरिया पर जाया करो तो उसे सलाम किया करो।

(iii) कबूतरों और मुर्गे को मत सताया करो

(iv) उपर्युक्त सभी

(ख) माँ के उपदेशों के पीछे क्या उद्देश्य रहता होगा?

(i) बच्चे भी प्रकृति के प्रति प्रेमभाव रखें।

(ii) फूल-पत्तियों के प्रति प्रेमभाव रखें, उन्हें नष्ट न करें।

(iii) पक्षियों के प्रति दया-भाव जागृत करना।

(iv) उपर्युक्त सभी

(ग) कबूतरों के बारे में क्या कहा गया है?

(i) उन्होंने उन्हें अपनी मज़ार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इज़ाजत दे रखी है।

(ii) वे हज़रत मुहम्मद के अज़ीज हैं।

(iii) उन्होंने उन्हें अपनी मज़ार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इज़ाजत दे रखी है।

(iv) उपर्युक्त सभी

(घ) मुर्गे के बारे में क्या कहा गया है?

(i) इसे परेशान नहीं किया करो।

(ii) वह मुल्ला जी से पहले मोहल्ले में अज़ान देकर सबको सबेरे जगाता है।

(iii) (i) और (ii)

(iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोड़ना? क्योंकि–

(i) पेड़ बद्दुआ देंगे

(ii) पेड़ रोएँगे

(iii) पेड़ हज़रत मुहम्मद के अज़ीज हैं

(iv) उपर्युक्त सभी

2 ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को कितना कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्ज़ा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।

(क) वर्सोवा में अब क्या बदलाव आ गए हैं?

(i) समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है।

(ii) यहाँ दूर तक जंगल हैं, पेड़ हैं।

(iii) परिंदे और कई दूसरे जानवर रहते हैं।

(iv) इनमें से कोई नहीं।

(ख) कितने कबूतरों की वजह से लेखक को परेशानी होने लगी?

(i) दो (ii) चार

(iii) छह (iv) आठ

(ग) लेखक की पत्नी ने कबूतरों से परेशान होकर क्या किया?

(i) एक जाली लगा दी है।

(ii) उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया गया है

(iii) उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है।

(iv) उपर्युक्त सभी।

(ब) खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर कैसे बैठे रहते हैं?

(i) प्रसन्नचित्त (ii) खामोश और उदास

(iii) दाना चुगते हुए (iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से उद्धृत है?

(i) बड़े भाई साहब

(ii) अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले

(iii) ततौंरा-वामीरो कथा

(iv) झेन की देन

3 पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।

(क) पूरा संसार एक परिवार के समान किस प्रकार था?

(i) पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे।

(ii) अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है।

(iii) सभी लोग स्वच्छंद कहीं भी आ-जा सकते थे।

(iv) इनमें से कोई नहीं।

(ख) बढ़ती आबादी एवं प्रदूषण का अन्य प्राकृतिक उपादानों पर क्या असर हुआ?

(i) समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया।

(ii) पेड़ों को रास्ते से हटाना शुरू कर दिया।

(iii) प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया।

(iv) उपर्युक्त सभी।

(ग) मानव और प्रकृति के असंतुलन का क्या परिणाम हुआ?

(i) गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें

(ii) ज़लज़ले, सैलाब और तूफ़ान

(iii) रोज नए-नए रोग

(iv) उपर्युक्त सभी

(घ) अब कैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है?

(i) बड़े-बड़े घरों में (ii) झोंपड़ी में

(iii) छोटे-छोटे घरों में (iv) महलों में

(ङ) बढ़ती हुई आबादी ने समंदर को कहाँ सरकाना शुरू कर दिया है?

(i) आगे की ओर (ii) पीछे की ओर

(iii) ऊपर की ओर (iv) नीचे की ओर

परीक्षोपयोगी अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. निदा फ़ाज़ली किस पीढ़ी के कवि माने जाते हैं?

उत्तर: निदा फ़ाज़ली उर्दू की साठोत्तरी पीढ़ी के कवि माने जाते हैं।

2. निदा फ़ाज़ली की पहली काव्य पुस्तक का नाम लिखिए।

उत्तर: निदा फ़ाज़ली की पहली काव्य पुस्तक का नाम है–लफ़्ज़ों का पुल।

3. निदा फ़ाज़ली किस भाषा में कविता लेखन किया?

उत्तर: निदा फ़ाज़ली ने आम बोल-चाल की सरल भाषा में कविता लेखन किया।

4. धरती पर मानव के अलावा किसकी हिस्सेदारी है?

उत्तर: धरती पर मानव के अलावा पंछी, पशु, नदी, पर्वत, समुद्र, पेड़-पौधों आदि की बराबर की हिस्सेदारी है।

5. पहले संसार कैसे रहता था?

उत्तर: पहले संसार एक परिवार के समान रहता था।